होर्मुज़ में तनाव: जहाज़ों की सुरक्षा और भारत के हित (अद्यतन 12 नवंबर 2026)

समाचार-संदर्भ: 7 नवंबर 2026 का अमेरिकी सैन्य वक्तव्य; 8 नवंबर की संबंधित रिपोर्टें

प्रकाशन: 8 नवंबर 2026

अद्यतन: 12 नवंबर 2026 (होर्मुज़ में दो और टैंकरों पर हमला)

मुख्य परीक्षा: GS-II: अंतर्राष्ट्रीय संबंध; GS-III: ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

12 नवंबर 2026 का अपडेट: होर्मुज़ में दो और टैंकरों पर हमला, भारतीय नाविक सुरक्षित

एनसीसी फ़ज्र (11 नवंबर): पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि 11 नवंबर को सऊदी अरब का झंडा लगाए तेल टैंकर **एनसीसी फ़ज्र (NCC FAJR)** पर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रते समय संभावित हमला हुआ। जहाज़ पर सवार तीनों भारतीय नाविक सहित पूरा चालक दल सुरक्षित है; मंत्रालय जहाज़ प्रबंधन कंपनी के संपर्क में है।

एमटी फ़ुजैरा एनर्जी (10 नवंबर): इससे एक दिन पहले लाइबेरिया का झंडा लगाए VLCC **एमटी फ़ुजैरा एनर्जी** को अल रुवैस (UAE) से दुबई जाते समय फ़ारस की खाड़ी में एक प्रोजेक्टाइल ने निशाना बनाया। जहाज़ पर 6 भारतीय नाविक सवार थे; 4 चालक दल सदस्य घायल हुए, जिनमें एक भारतीय भी शामिल है (मामूली चोटें, इलाज के लिए तट पर लाया गया)। शेष 18 सदस्य सुरक्षित हैं।

प्रसंग: पिछले माह ओमान के ख़ासाब के उत्तर-पूर्व में लगभग 25 नॉटिकल मील दूर पनामा का झंडा लगाए टैंकर **एमटी लुईस-1** (27 भारतीय नाविक सवार) पर लिंपेट माइन से हमला हुआ था, जिसमें जहाज़ में आग लग गई थी - सभी भारतीय सुरक्षित रहे थे। फ़रवरी 2026 में शुरू हुए ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद से होर्मुज़ और फ़ारस की खाड़ी के मार्गों पर वाणिज्यिक जहाज़ों के लिए ख़तरा बना हुआ है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से विश्व के लगभग **20% पेट्रोलियम** की आवाजाही होती है।

अपडेट स्रोत (12 नवंबर 2026):

- The Hindu - Saudi-flagged tanker hit in Strait of Hormuz, 3 Indian seafarers aboard: Sonowal
- Times of India - Indian seafarer injured as projectile hits Liberia-flagged oil tanker in Persian Gulf

खबरों में क्यों

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने 7 **नवंबर 2026** को कहा कि उसकी सेना ने ओमान की खाड़ी में **एम/वी हुदा** नाम के वाणिज्यिक मालवाहक जहाज़ को निष्क्रिय कर दिया। उसके अनुसार सेंट किट्स का झंडा लगा यह जहाज़ ईरानी बंदरगाह पर जाने के बाद क्षेत्र से निकल रहा था और बार-बार चेतावनी के बावजूद अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन करने की कोशिश कर रहा था।

यह अमेरिकी पक्ष का आधिकारिक विवरण है, किसी स्वतंत्र जाँच का अंतिम निष्कर्ष नहीं। इसी दौरान ईरानी पक्ष ने होर्मुज़ के आसपास दो टैंकरों के नौसैनिक माइनों से टकराने का दावा किया। इन घटनाओं को एक ही जहाज़, एक ही स्थान या स्वतंत्र रूप से सत्यापित एक संयुक्त घटनाक्रम के रूप में नहीं पढ़ना चाहिए।

क्या कहा गया, क्या अस्पष्ट है

हुदा पर अमेरिकी विवरण: CENTCOM के अनुसार उसने चालक-दल को जहाज़ के लक्षित हिस्से खाली करने को कहा, फिर एक सैन्य विमान ने पिछले हिस्से पर सटीक निर्देशित हथियार दागे। 'निष्क्रिय' करने का अर्थ यहाँ जहाज़ की आगे बढ़ने की क्षमता रोकना बताया गया है; इससे उसका डूबना सिद्ध नहीं होता। बयान से सभी नाविकों के सुरक्षित होने, पूरा नुकसान या पर्यावरणीय असर का स्वतंत्र निष्कर्ष नहीं निकलता।

टैंकरों पर ईरानी दावा: 8 नवंबर को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने दो टैंकरों के 'अनधिकृत' मार्ग में माइनों की चपेट में आने और आग लगने की बात कही। दावा करने वाले पक्ष की शब्दावली किसी मार्ग की अंतर्राष्ट्रीय कानूनी स्थिति को अपने आप तय नहीं करती। उपलब्ध रिपोर्टों में इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं थी।

समुद्री सुरक्षा सूचना: 7 नवंबर की अलग रिपोर्ट में UKMTO ने UAE के खोर फक्कान से लगभग 18 समुद्री मील पूर्व ओमान की खाड़ी में एक बल्क कैरियर और सैन्य बलों से जुड़ी घटना की सूचना दी। चालक-दल, क्षति और पर्यावरणीय प्रभाव तब अज्ञात थे। उस संक्षिप्त सूचना में जहाज़ का नाम नहीं था; इसलिए केवल स्थान और समय की निकटता से उसे हुदा की स्वतंत्र पहचान-पुष्टि न मानें।

होर्मुज़ कहाँ है

होर्मुज़ जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच स्थित संकरा समुद्री मार्ग है। यह **फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और आगे अरब सागर** से जोड़ता है। समुद्री व्यापार का ऐसा संकरा रास्ता, जिसके बाधित होने पर बड़े प्रवाह प्रभावित हों, **चोकपॉइंट** कहलाता है।

खोर फक्कान UAE के पूर्वी तट पर है। ओमान की खाड़ी की घटना को बिना स्थान-जाँच के जलडमरूमध्य के भीतर की घटना कहना भौगोलिक त्रुटि होगी। इसी तरह होर्मुज़ और बाब अल-मंदब अलग चोकपॉइंट हैं; बाद वाला लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश से जुड़ा है।

ऊर्जा का रास्ता, केवल तेल का नहीं

EIA के अनुसार **2025 की पहली छमाही** में होर्मुज़ से प्रतिदिन औसतन लगभग **2.09 करोड़ बैरल तेल** गुजरता था, जो उस समय वैश्विक पेट्रोलियम तरल पदार्थों की खपत के लगभग 20% के बराबर था। यह पुरानी अवधि का संदर्भ है, नवंबर 2026 का वर्तमान प्रवाह नहीं।

अगस्त 2026 में प्रकाशित EIA की अलग ऊर्जा-सुरक्षा तालिका में **2026 की दूसरी तिमाही** का तेल-प्रवाह लगभग **49 लाख बैरल प्रतिदिन** और LNG प्रवाह लगभग **0.8 अरब घन फुट प्रतिदिन** अनुमानित था। EIA ने चेताया कि क्षेत्र में जहाज़ों के AIS संकेत अविश्वसनीय होने से 2026 के अनुमान संशोधित हो रहे हैं। इसे 8 नवंबर के वास्तविक दैनिक यातायात का माप नहीं मानना चाहिए।

AIS जहाज़ की पहचान और स्थिति जैसे संकेत प्रसारित करने की प्रणाली है। संकेत बंद या बदले जाने से ट्रैकिंग कठिन हो सकती है, लेकिन केवल संकेत न मिलना अपने आप किसी विशिष्ट अपराध या हमले का प्रमाण नहीं। **LNG** परिवहन के लिए अत्यधिक ठंडी करके तरल बनाई गई प्राकृतिक गैस है; यह पेट्रोलियम उत्पादों और घरेलू सिलिंडर में प्रयुक्त LPG से अलग है।

जोखिम भारत तक कैसे पहुँचता है

- **आपूर्ति:** जहाज़ रुकना, मार्ग बदलना या लदान में देरी आयात की समय-सारणी को प्रभावित कर सकती है। सभी भारतीय आयात एक ही मार्ग से आते हैं, ऐसा मानना गलत होगा।
- **लागत:** युद्ध-जोखिम बीमा, जहाज़-भाड़ा और देर से पहुँचने की लागत बढ़ सकती है। हर घटना से भारत के खुदरा ईंधन मूल्य में तत्काल समान वृद्धि का निष्कर्ष नहीं निकलता।
- **नाविक:** चेतावनी, सुरक्षित निकासी, चिकित्सा सहायता, संचार और परिवारों को सूचना की व्यवस्था वाणिज्यिक हितों जितनी महत्वपूर्ण है। इस घटना में भारतीय चालक-दल की मौजूदगी का यहाँ कोई दावा नहीं किया गया है।
- **पर्यावरण:** क्षतिग्रस्त टैंकर तेल रिसाव का जोखिम पैदा कर सकते हैं। जोखिम होना और वास्तविक रिसाव की पुष्टि अलग बातें हैं।

विकल्पों की सीमा

सऊदी अरब और UAE की पाइपलाइनें कुछ तेल को होर्मुज़ से बाहर के बंदरगाहों तक पहुँचा सकती हैं। लेकिन पाइपलाइन की कुल क्षमता, उस समय उपलब्ध अतिरिक्त क्षमता और वास्तव में निर्यात हुआ तेल अलग आँकड़े हैं। तेल की पाइपलाइन को LNG जहाज़ का पूर्ण विकल्प नहीं माना जा सकता।

इसी तरह रणनीतिक भंडार कुछ समय का सहारा दे सकता है, स्थायी आपूर्ति का स्थान नहीं। भंडार की घोषित क्षमता और वास्तव में भरी मात्रा में भी अंतर है। भारत के लिए आयात-स्रोतों और मार्गों की विविधता, पर्याप्त भंडारण तथा खरीदार-विक्रेता के बीच लचीले प्रबंध साथ उपयोगी हैं।

समुद्री कानून का प्रश्न

समुद्री कानून संधि के भाग-III में अंतर्राष्ट्रीय नौवहन में उपयोग होने वाले निर्दिष्ट जलडमरूमध्यों के लिए **पारगमन मार्गाधिकार** का ढाँचा है। **अनुच्छेद 38** निरंतर और शीघ्र पारगमन का अर्थ स्पष्ट करता है; **अनुच्छेद 39** जहाज़ों और विमानों के दायित्व तथा **अनुच्छेद 44** तटीय राज्यों के दायित्व बताता है।

लेकिन इससे किसी युद्धकालीन नाकेबंदी या किसी खास हमले की वैधता अपने आप तय नहीं हो जाती। जहाज़ की वास्तविक गतिविधि, स्थान, संघर्ष की परिस्थिति और अन्य लागू अंतर्राष्ट्रीय नियम भी देखने होंगे। किसी पक्ष का 'नाकेबंदी लागू करना' कहना उसके हर बल-प्रयोग की स्वतंत्र कानूनी पुष्टि नहीं है।

आगे की राह

प्राथमिकता नाविकों की सुरक्षा, सत्यापित समुद्री चेतावनियों, संकट-संचार और तनाव घटाने की कूटनीति को मिलनी चाहिए। ऊर्जा-सुरक्षा के निर्णय में बीते समय के सामान्य व्यापार-हिस्से को वर्तमान बंद या खुले मार्ग का प्रमाण नहीं बनाया जाए। वास्तविक प्रवाह, वैकल्पिक क्षमता और प्रत्येक घटना की स्वतंत्र पुष्टि को अलग-अलग जाँचना जरूरी है।

संबंधित अध्ययन: आपूर्ति और मार्ग बदलने की सीमाएँ समझने के लिए **होर्मुज़ के आसपास जहाज़-से-जहाज़ LPG ट्रांसफर** और कूटनीतिक पृष्ठभूमि के लिए **ईरान-अमेरिका वार्ता और शर्तों का टकराव** पढ़ें।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

होर्मुज़ के आसपास समुद्री तनाव भारत की ऊर्जा-सुरक्षा के साथ नाविकों की सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन का भी प्रश्न है। चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: होर्मुज़ की भौगोलिक स्थिति और खाड़ी के ऊर्जा-मार्ग में उसकी भूमिका स्पष्ट करें।

मुख्य भाग में: आपूर्ति, बीमा, माल-भाड़ा, नाविक और पर्यावरणीय जोखिम जोड़ें। तेल और LNG के विकल्पों की सीमा, पाइपलाइन क्षमता और अतिरिक्त उपलब्धता का अंतर तथा दावों की स्वतंत्र पुष्टि की जरूरत बताएँ। समुद्री पारगमन और संकट-संचार का महत्व जोड़ें।

निष्कर्ष में: विविध आपूर्ति, सीमित अवधि के भंडार, सुरक्षित समुद्री आवागमन और संवाद पर आधारित संतुलित नीति सुझाएँ।

स्रोत

1. CENTCOM, 7 नवंबर 2026: हुदा पर कार्रवाई का अमेरिकी विवरण
2. 8 नवंबर 2026: ईरानी टैंकर-दावों और अमेरिकी बयान की रिपोर्ट
3. टाइम्स ऑफ इज़रायल में प्रकाशित रॉयटर्स रिपोर्ट, 7 नवंबर 2026: UKMTO की सीमित घटना-सूचना
4. EIA: चोकपॉइंट भूगोल और 2025 की पहली छमाही के तुलनात्मक आँकड़े
5. EIA: 2026 की दूसरी तिमाही के अनुमान और AIS संबंधी सीमा
6. संयुक्त राष्ट्र: समुद्री कानून संधि, भाग-III